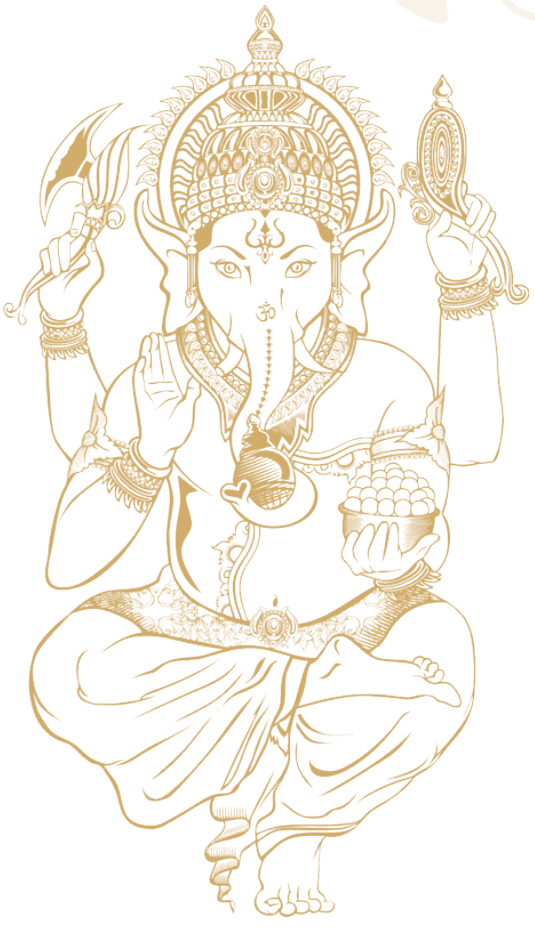

Mr.Tarun Rankawat

Ms.Harshita sanchora

Model: Web-FreeMatching

Order No: 119433302

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
27-28/03/1997	जन्म तिथि	19/11/1997
गुरु-शुक्रवार	दिन	बुधवार
घंटे 04:05:00	जन्म समय	15:20:00 घंटे
घटी 53:50:00	जन्म समय(घटी)	20:46:34 घटी
India	देश	India
Bikaner	स्थान	Pali River
28:01:00 उत्तर	अक्षांश	25:46:00 उत्तर
73:22:00 पूर्व	रेखांश	73:26:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:36:32	स्थानिक संस्कार	-00:36:16 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:32:59	सूर्योदय	06:57:08
18:51:53	सूर्यास्त	17:46:09
23:49:06	चित्रपक्षीय अयनांश	23:49:34

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
गुरु 8वर्ष 9मा 21दि	22:29:15	मक	लग्न	मीन	19:04:13	शनि 17वर्ष 9मा 17दि
बुध	13:28:36	मीन	सूर्य	वृश्चि	03:16:23	बुध
17/01/2025	25:59:30	तुला	चंद्र	कर्क	04:10:35	07/09/2015
17/01/2042	28:53:40	सिंह व	मंगल	धनु	13:52:25	06/09/2032
बुध 16/06/2027	28:52:15	मीन	बुध	वृश्चि	22:51:16	बुध 03/02/2018
केतु 12/06/2028	20:27:15	मक	गुरु	मक	21:05:04	केतु 31/01/2019
शुक्र 13/04/2031	12:02:36	मीन	शुक्र	धनु	19:35:42	शुक्र 01/12/2021
सूर्य 17/02/2032	16:03:21	मीन	शनि व	मीन	20:21:21	सूर्य 07/10/2022
चन्द्र 19/07/2033	04:53:54	कन्या व	राहु व	सिंह	23:01:25	चन्द्र 08/03/2024
मंगल 16/07/2034	04:53:54	मीन व	केतु व	कुंभ	23:01:25	मंगल 05/03/2025
राहु 01/02/2037	13:59:21	मक	हर्ष	मक	11:27:16	राहु 22/09/2027
गुरु 10/05/2039	05:48:18	मक	नेप	मक	03:49:26	गुरु 28/12/2029
शनि 17/01/2042	11:40:42	वृश्चि व	प्लूटो	वृश्चि	11:19:09	शनि 06/09/2032

लग्न-चलित

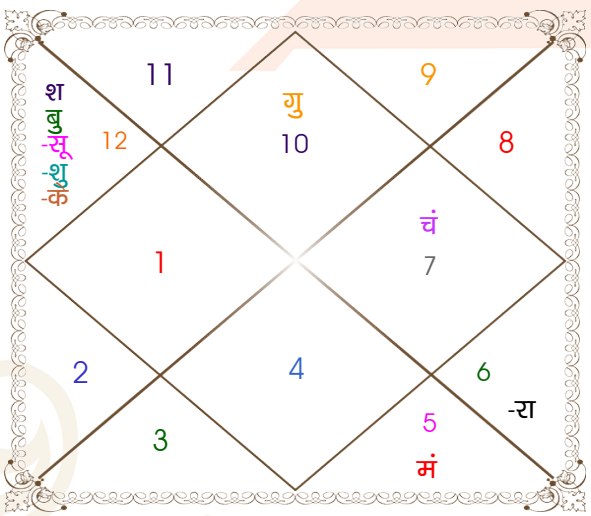

लग्न-चलित

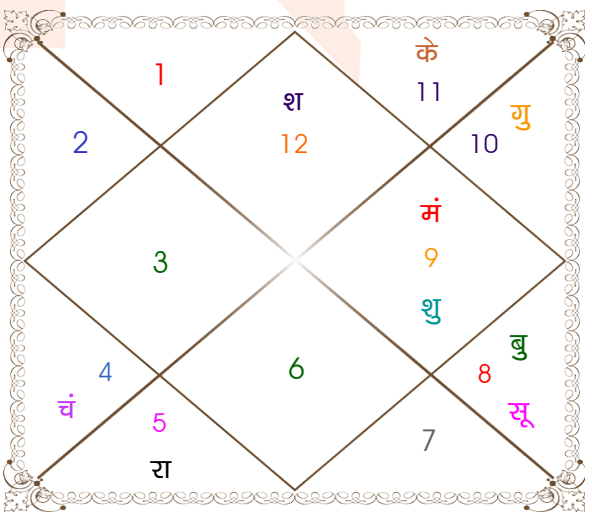

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	विप्र	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	जलचर	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	अतिमित्र	सम्पत	3	3.00	--	भाग्य
योनि	व्याघ्र	मेष	4	1.00	--	यौन विचार
मैत्री	शुक्र	चन्द्र	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	देव	6	1.00	--	सामाजिकता
भकूट	तुला	कर्क	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	21.50		

डतण्ज्तनद त्ंदांज का वर्ग सर्प है तथा Ms.Harshita sanchora का वर्ग मेष है। इन दोनों वर्गो में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार डतण्ज्तनद त्ंदांज और Ms.Harshita sanchora का मिलान शुभ है।

मंगलीक दोष मिलान

डतण्ज्तनद त्ंदांज मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

Ms.Harshita sanchora मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में दशम् भाव में स्थित है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु Ms.Harshita sanchora कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

डतण्ज्तनद त्ंदांज तथा Ms.Harshita sanchora में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।